

प्रेषक,

एल0 एम0 पन्त,  
अपर सचिव, वित्त,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

अधिशाली अधिकारी,  
नगर पंचायत,  
बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री।

वित्त अनु0 -1

देहरादून, दिनांक : 20 दिसम्बर, 2006

विषय:- द्वितीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु गैर निर्वाचित निकायों के लिए अनुदान धनराशि का आवंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 03 गैर निर्वाचित नगर पंचायतों को उनके सामने अंकित धनराशि के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु ₹0 4457000.00 (रुपये चवालीस लाख सत्तावन हजार मात्र) की धनराशि आवंटित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2.

क्रम सं0	नगर पंचायत का नाम	आवंटित धनराशि (हजार ₹0 में)
1.	बद्रीनाथ	2263
2.	केदारनाथ	1365
3.	गंगोत्री	829
	योग :-	4457

(रुपये चवालीस लाख सत्तावन हजार मात्र)

3. उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संकमित की जा रही है :-

(1) द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के अन्तर्गत नगर पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु संस्तुत धनराशि से पूर्व में आवंटित धनराशि को समायोजित कर लिया गया है।

(2) संकमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संकमित की जा रही धनराशि का उपयोग

शासनादेश संख्या - 1674/XXVII(1)/2006. दिनांक 22 नवम्बर, 2006 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) नगर विकास विभाग संकर्मित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का वाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

4. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या- 07 के अन्तर्गत तत्कालीन- 3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन - आयोजनेत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगरपंचायत/नोटीफाईड एरिया/कमेटी आदि -00-04- राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अन्य अनुदान -20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(एल0 एम0 पन्त)  
अपर सचिव, वित्त

संख्या- 1760 (1)/XXVII(1)/2006 एवं तदुद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2. सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तरांचल शासन।
3. मण्डल युक्त, गढ़वाल/कुमायूं, उत्तरांचल।
4. निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून।
5. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, देहरादून।
7. वरिष्ठ जिला कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग।
8. विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी/सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
9. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
10. एन0 आई0 सी0, सचिवालय, उत्तरांचल, देहरादून।

आज्ञा से,

20/12/2006  
(एल0 एम0 पन्त)  
अपर सचिव, वित्त